

टूर संदर्भ
LK7KGWY7DH

बेंटोटा से ग्रामीण दौरा (2 दिन)

2 दिन · 1 रातें | ड्राइवर-गाइड के साथ निजी टूर

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं

इस अनुभव के बारे में

यह दो दिनों की यात्रा बेंतोटा पुल से शुरू होती है और गलथारा और उथुमगामा के आसपास के गाँवों की ओर अंतर्देश जाती है, एक रात के लिए समुद्र तट को नदी, पहाड़ी और धान के खेतों से बदल देती है। यह मार्ग बेंतोटा सहायक नदी के साथ नाव की सवारी को पहुरुकांडा पर्वत की पैदल यात्रा के साथ जोड़ता है, एक पेड़ के घर में रात, और एक कार्यशील धान के खेत और एक परंपरागत भट्टी के चारों ओर बिताया गया दूसरा दिन, फिर बेंतोटा लौटने से पहले।

गति वाहन से सीधे दर्शन के बजाय व्यावहारिक है: पहुरुकांडा मंदिर तक दो घंटे की चढ़ाई और उस दृश्यबिंदु तक जिसे स्थानीय लोग मिनी वर्ल्डस एंड कहते हैं, पर्वत के शिखर पर गाँव का दोपहर का भोजन, उथुमगामा के लिए तुक-तुक की सवारी, एक प्राकृतिक पूल में डुबकी (अनुरोध पर ताड़ी उपलब्ध), और पेड़ के घर में बारबेक्यू डिनर। अगली सुबह आपको धान के खेत में काम आजमाने के लिए और एक लोहार की भट्टी में परंपरागत तकनीकें देखने के लिए लोहार द्वारा समझाई गई, फिर बेंतोटा के लिए ड्राइव, जहाँ यात्रा समाप्त होती है।

यह उन यात्रियों के लिए उपयुक्त है जो समुद्र तट से एक छोटी, सक्रिय छुट्टी चाहते हैं और पारंपरिक सीधे सूचना सर्किट के बजाय ग्रामीण जीविका पर अधिक गहन नज़र डालना चाहते हैं।

दिन-दर-दिन यात्रा कार्यक्रम

दिन 1 बेन्तोता → गालातरा → उथुमगामा

यह यात्रा बेन्तोता पुल से नदी में नाव की सवारी के साथ शुरू होती है, जिसके बाद एक पैदल यात्रा और उथुमगामा के पास एक ट्री हाउस में रात्रि विश्राम होता है।

बेन्तोता उप-नदी नाव यात्रा

दिन की शुरुआत सुबह 0800 बजे बेन्तोता पुल के पास से होती है, जहाँ से बेन्तोता की उप-नदी के साथ-साथ गालातरा जंक्शन तक नाव की सवारी की जाती है।

पाहुरुकंडा पर्वत पैदल यात्रा

दो घंटे की पैदल यात्रा के बाद पाहुरुकंडा पर्वत की चोटी पर पहुँचते हैं, जहाँ आप पाहुरुकंडा मंदिर देख सकते हैं और आस-पास के क्षेत्र को घूम-घूम कर देख सकते हैं।

मिनी वर्ल्ड्स एंड दृश्य स्थल

पर्वत के किनारे से एक ऐसा दृश्य दिखता है जिसे स्थानीय ग्रामीण 'मिनी वर्ल्ड्स एंड' कहते हैं।

पर्वत पर ग्रामीण दोपहर का भोजन

पर्वत की चोटी पर ग्रामीण शैली में दोपहर का भोजन की व्यवस्था की जाती है, जिसके बाद गालातरा जंक्शन लौटकर टुक-टुक से उथुमगामा की ओर यात्रा होती है।

प्राकृतिक जलकुंड

उथुमगामा में आप एक प्राकृतिक जलकुंड में डुबकी लगा सकते हैं, और विशेष माँग पर ताड़ी (टॉडी) भी उपलब्ध कराई जाती है।

ट्री हाउस बीबीक्यू और रात्रि विश्राम

दिन का समापन बारबेक्यू रात्रिभोज और ट्री हाउस में रात्रि विश्राम के साथ होता है।

दिन 2 उथुमगामा → बेन्तोता

ग्रामीण शैली के नाश्ते के बाद, दूसरे दिन का मुख्य आकर्षण धान के खेतों का जीवन और पारंपरिक लोहारगिरी है, जिसके बाद बेन्तोता वापसी होती है, जहाँ यह यात्रा समाप्त होती है।

धान खेत भ्रमण

नाश्ते के बाद आपको एक धान के खेत में ले जाया जाता है, जहाँ आप स्वयं खेत में उतरकर काम करने का प्रयास कर सकते हैं और यह जान सकते हैं कि वहाँ कार्य कैसे किया जाता है।

पारंपरिक लोहारखाना

इसके बाद एक पारंपरिक लोहारखाने की यात्रा होती है, जहाँ एक लोहार पुरानी लोहारगिरी तकनीकों के बारे में बताता है।

बेन्तोता वापसी

यात्रा बेन्तोता लौटती है और आपको वहीं छोड़ा जाता है जहाँ से यात्रा शुरू हुई थी, और इसके साथ यह दौरा समाप्त होता है।

क्या शामिल है

शामिल है

- All prevailing taxes and service charges.
- Service of English-Speaking Chauffeur Guide.
- Transport in a Private Vehicle, Fuel, Parking & Highway tolls.

शामिल नहीं है

- Hotel Accommodation and Meals.
- Entrance fees to the respective sites.
- Tips & Portages.
- Expenses of personal nature.